हिन्दुत्व के खिलाफ एक अन्तर्राष्ट्रीय षड्यंत्र का भंडाफोड़

'जोधपुर बोगस केस' में महान हिन्दू संत को कलंकित करने की योजना पर कार्य शुरू

23 मार्च 2017 की दोपहर हमारे कार्यालय में एक ब्रिटिश पत्रकार व मानवाधिकार कार्यकर्ता श्रीमति सुनन्दा तंवर का फोन आया तथा उन्होंने हमें बताया कि हिन्दू संत आशारामजी बापू को 'जोधपुर बोगस केस' में सरकार ने सजा सुनाने का फैसला कर लिया है तथा इसके लिए 'मूवमैंट' भी शुरू हो गई है।

मैंने उनसे जब 'मूवमैंट' का अर्थ समझना चाहा तो उन्होंने कहा कि– मैं इस समय दुबई में हूँ तथा कल दिल्ली पहुँच रही हूँ, वहीं आकर समझाऊँगी।

सुनन्दा तंवर मुझसे फिर 26 तारीख को मिलने आईं तथा इस विषय में उन्होंने मुझसे विस्तार से बातें भी की।

'धर्मांतरण कार्यों का प्रतिरोध करने में संत आसारामजी बापू सबसे आगे हैं। उनके खिलाफ किया गया केस पूरी तरह बोगस है। मेरे कानूनी सलाहकारों का यह फैसला है।'

सुप्रसिद्ध न्यायविद्
डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी

सुनन्दा की बातें सुनकर मुझे काफी आश्चर्य हुआ, और एक निष्पक्ष पत्रकार होने के नाते मैंने इन सभी बातों को भारत के नागरिकों के साथ शेयर करना भी जरुरी समझा। सुनन्दा तंवर ने जो कुछ भी मुझे बताया, संक्षेप में वो इस प्रकार है –

1. धर्मांतरण के लिए विदेशों से भारत में बहुत पैसा भेजा जा रहा है। **भारत को शीघ्र ही एक 'ईसाई राष्ट्र' बनाने की योजना पर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।**

2. भारत का अधिकांश मीडिया, तथाकथित बुद्धिजीवियों की एक बड़ी फौज, हजारों एन.जी.ओ. तथा समाज के हर वर्ग के **प्रभावशाली लोग जिसमें ज्यूड्शरी के लोग भी शामिल हैं,** तथा कुछ पूरी की पूरी राजनैतिक पार्टियां भी जाने–अनजाने **विदेशी धर्मान्तरणकारी शक्तियों के लिए काम कर रही हैं।**

3. देश का दुर्भाग्य है कि ऐसे अधिकांश लोगों को **चन्दा, ग्रांट, विदेशी पुरस्कार व सम्मान तथा विदेश यात्राओं के** नाम पर आसानी से बरगला लिया जाता है।

4. हिन्दू **संत आशाराम बापू** अपने सत्संगों व समाज सेवा के कार्यों के माध्यम से **धर्मान्तरणकारी शक्तियों के सामने एक दीवार बनकर खड़े थे।** इसीलिए बरसों से 'संत श्री' इन लोगों के 'टारगेट नं–1' भी बने हुए थे।

संत आशाराम जी बापू किसी प्रकार जीते-जी कारागार से बाहर ना आ सकें, इसके लिए विदेशों से करोड़ों की फंडिंग व फील्डिंग जारी है।

सुनंदा तंवर
अन्तरराष्ट्रीय पत्रकार एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता

5. धर्मान्तरणकारी शक्तियों ने संत आशारामजी बापू पर **पहला हमला वर्ष 2008 में किया था**, जब उनके गुरुकुल के 2 बच्चे एक नदी में दुर्घटनावश डूब गए थे। **किन्तु उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली।**

6. दूसरा हमला इन्होंने अपनी वर्षों की तैयारी के बाद 2013 में किया तथा इस बार उन्होंने इस महान हिन्दू संत पर **अपना अजमाया हुआ 'महिला हथियार' का इस्तेमाल किया।**

7. इस बार ईटली की ईसाई महिला सोनिया गाँधी की कांग्रेस **सरकार ने भी इन लोगों का पूरा साथ दिया।**

8. ईसाई मिशनरीज व मल्टीनेशनल कम्पनियों ने इसके लिए हजारों करोड़ रुपये की फंडिंग की थी, जिससे मीडिया हाउसेस, पुलिस व ज्यूडशरी के कुछ लोगों को भी मैनेज किया गया था।

9. संत आशारामजी बापू की गिरफ्तारी होने के बाद **गुजरात–भाजपा के दो बड़े हिन्दू राजनेता भी संत श्री से अपनी 'ईगो' के एकाउन्ट्स सैटल करने के लिए उनके विरोध में उतर आए तथा भाजपा शासित गुजरात से केवल 'संत श्री' ही नहीं बल्कि उनके पूरे परिवार पर एक और झूठा मुकद्दमा घड़वा दिया गया।**

Sunanda tanwar at conference of national council of hindu temple uk with Dr. Subramanian Swami

10. धर्मांतरणकारी शक्तियाँ एक हिन्दूवादी राजनैतिक पार्टी के दो सबसे बड़े नेताओं का सहयोग मिल जाने के कारण निश्चित रुप से बहुत प्रसन्न थीं। किन्तु **संत आशारामजी बापू** फिर भी किसी प्रकार **जीते–जी कारागार से बाहर ना आ सकें इसके लिए–उनकी अपनी करोड़ों की फंडिंग व फील्डिंग जारी है।**

11. भाजपा नेता भी संत आशारामजी जी बापू के विरुद्ध मीडिया, पुलिस व ज्यूडशरी से मिल रहे अप्रत्याशित सहयोग से गदगद थे, किन्तु उन भोले महेश्वरों को शायद यह मालूम नहीं था कि वह **जाने–अनजाने भारत को धर्मान्तरित करने में जुटी विदेशी ताकतों का एक बड़ा हथियार बने हुए हैं।**

12. राज्यों में हिन्दू शक्तियों की अप्रत्याशित जीत के शोरगुल के बीच अब इस **महान हिन्दू संत** को 'जोधपुर बोगस केस' में **सजा सुनाने का फैसला भाजपा सरकार ने उच्चस्तर पर कर लिया है।**

13. यह फैसला वैसे तो अभी भाजपा सरकार ने लिया ही है, किन्तु पूरे विश्व में धर्मान्तरणकारी शक्तियों की 'मूवमैंट' अभी से शुरू हो गई है।

'मूवमैंट' शब्द सुनते ही मुझे याद आ गया कि सुनन्दा तंवर ने इण्डिया आने पर मुझे 'मूवमैंट' शब्द का अर्थ भी समझाने का वायदा किया था।

मैंने जब इस बारे में पूछा तो सुनन्दा ने गंभीर होकर कहा कि– 'इंटरनैशनल लेवल पर जब भी ऐसा कोई बड़ा ऑपरेशन चल रहा होता है तो उसके लिए करोड़ों रुपया हवाला या अन्य गैरकानूनी माध्यमों से इधर–उधर भेजा जाता है– इसे ही 'मूवमैंट' कहते हैं।'

'संत आशाराम बापू सनातन हिन्दू धर्म के एक बहुत बड़े स्तम्भ हैं, इनको गिराने के लिए हजारों करोड़ भारत जाता रहा है, इसी चेन का एक व्यक्ति मेरा सोर्स भी है– वह व्यक्ति वैसे तो एक ईसाई है किन्तु भारत में वर्षों रहने के कारण वह हिन्दू धर्म के वैज्ञानिक आधारों से उतना ही प्रभावित हो गया है, जितना अमेरिका का डेविड फ्राली और रूस का यूरी इलेक्सान्द्रोविच बेज्मेनोव।'

मैं ध्यान से सुनन्दा तंवर की बातें सुन रहा था तभी उसने उठते हुए कहा की मुझे इन्डिया केवल एक सप्ताह ही रुकना है और काम अभी काफी निपटाने हैं– आप एक पत्रकार होने के नाते इन सभी बातों को अपने देश की जनता के सामने जरुर–जरुर रख देना–और हम ऐसा ही कर भी रहे हैं।

– सुनन्दा तंवर
पाम कोर्ट, लंदन

''हिंदू समाज में से एक मुस्लिम या ईसाई बने, इसका मतलब यह नहीं कि एक हिंदू कम हुआ बल्कि हिंदू समाज का एक दुश्मन और बढ़ा।''

- स्वामी विवेकानंद

‘सत्यमेव जयते’ और कांग्रेस व भाजपा का असली चेहरा

हर्ष का विषय है कि हाल ही में हुए राज्यों के चुनावों में हिन्दूवादी पार्टी को बहुत बड़ी सफलता मिली है और इनमें भी सबसे बड़ी जीत तो देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की जीत है।

इस जीत का विश्लेषण सभी लोग अपनी–अपनी सुविधा अनुसार कर रहे हैं। भाजपा के नेता व कार्यकर्ता जो पहली बार निर्द्वंद होकर ‘सत्ता सुख’ भोग रहे हैं, वो तो इस जीत का सारा श्रेय अपने उन दो बड़े नेताओं को दे रहे हैं, जिनके नेतृत्व में यह चुनाव लड़े गए थे–

किन्तु एक निष्पक्ष पत्रकार होने के नाते यदि मैं इसका विश्लेषण करता हूँ तो मुझे तो केवल उत्तर प्रदेश की जीत में ही नहीं बल्कि 2014 के संसदीय आम चुनावों की जीत में भी एक 80 वर्षीय हिन्दू संत का योगदान भी साफ नजर आ रहा है जो पिछले कई दशकों से पूरे देश में घूम–घूम कर हिन्दुओं को सनातन धर्म का सही अर्थ समझा कर उनमें आत्मविश्वास व अपने धर्म के प्रति आस्था पैदा करता रहा है।

इन चुनावों से देश की राजनीति को सबसे बड़ी उपलब्धि भी एक हिन्दू संत ही है– उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मैं अपने विश्वस्त सूत्रों के आधार पर आपको बता रहा हूँ कि देश के सबसे बड़े हिन्दू संत श्री आशाराम जी बापू पर झूठा मुकद्दमा बनाने से पहले, कांग्रेस के सर्वोच्च नेतृत्व की तरफ से संत श्री को कहलवाया गया था कि– ‘मैडम आपके सत्संग में आना चाहती हैं। आप उन्हें आशीर्वाद दे दें तथा यह भी कह दें कि ‘सभी धर्म समान हैं।’ कांग्रेस शायद एक तीर से दो शिकार करना चाहती थी। एक तो संत श्री आशाराम जी बापू के करोड़ों शिष्यों को यह मैसेज देना कि वोट कांग्रेस को ही देना है, दूसरे ईसाई मिशनरियों को भी इस बयान से भविष्य में धर्मांतरण में सुविधा रहती।

संत आशाराम बापू ने इस पर बिल्कुल स्पष्ट कहलवा दिया कि– एक तो वह मैडम को स्टेज पर आशीर्वाद नहीं दे सकते। दूसरा सभी धर्म समान कैसे हो सकते हैं, एक सनातन धर्म ही ‘सत्य’ है।

संत श्री की इस साफगोई से उस समय हिन्दुस्तान की सत्ता के शीर्ष पर बैठी देश की सबसे शक्तिशाली महिला के अहं को भारी चोट लगी, और उसने अपने मुसाहिबों व दरबारियों को अगला एक्शन लेने के लिए कह दिया था।

दिनांक 20.08.2013 की रात ढाई बजे दिल्ली के एक पुलिस स्टेशन में ‘संत श्री’ के खिलाफ एक एफ.आई. आर. दर्ज करवा दी गई। किन्तु संत श्री आशारामजी बापू के करोड़ों शिष्यों के वोटों तथा बिल्कुल निकट आ चुके आम चुनावों ने मैडम व उनके मैनेजरों को एक बार फिर से अपने निर्णय पर विचार करने के लिए बाध्य कर दिया था–

संत श्री आशारामजी बापू के पास दो दिन बाद ही एक नया प्रपोजल भेजा गया कि– आप पार्टी फंड में 200 करोड़ रुपया डोनेशन दे दें तथा हमें लिखित में यह आश्वासन दे दें कि भविष्य में आपके सत्संग में एक हजार

से ज्यादा लोग नहीं सम्मिलित होंगे, तो इस पर भी यह मामला निपट सकता है। संत आशारामजी बापू तब तक गिरफ्तार नहीं हुए थे।

किन्तु यह सब अब इतिहास बन चुका है कि संत आशारामजी बापू ने किसी भी कीमत पर 'सनातन धर्म' यानि सत्य का दामन नहीं छोड़ा, तथा उन्हें एक झूठे मुकदमें में गिरफ्तार कर लिया गया।

मैं पिछले सप्ताह 'यू ट्यूब' पर पुलिस की एक बड़ी बस नुमा गाड़ी में इस 80 वर्षीय वृद्ध संत को पेशी पर जोधपुर अदालत में लाए जाने के दृश्य देख रहा था, वहाँ इलैक्ट्रोनिक मीडिया के किसी एक पत्रकार ने उनसे पूछा– बापू सरकार ने एक और नया मुकद्दमा आप पर बना दिया है, इस पर आपको क्या कहना है?

संत आशारामजी बापू उस समय कोर्ट की पेशी निपटा कर वापिस आ चुके थे और उस बस नुमा पुलिस गाड़ी में चढ़ रहे थे, इसलिए पत्रकार की तरफ उनकी पीठ थी। बापू जी गाड़ी में चढ़े, दरवाजे पर खड़े होकर वापिस मुड़े और अपने दाएँ हाथ से 'विक्ट्री' का 'वी' बनाते हुए उन्होंने मुस्कराते हुए कहा– 'सत्यमेव जयते' और वापिस जाकर अपनी सीट पर बैठ गए, गाड़ी वापिस जेल की तरफ चल दी।

संत आशारामजी बापू के सैकड़ों शिष्य देश के अलग–अलग इलाकों से हर पेशी पर अपने गुरु की एक झलक पाने के लिए ट्रेन, बस या अन्य किन्हीं माध्यमों से जोधपुर हर तारीख पर पहुँचते हैं, और अनुशासन बनाए रखने के लिए पुलिस अपने हाथों में डंडे लेकर तथा बैरिकेड लगा कर उन्हें काफी दूर ही खड़ा कर देती है–

पुलिस की गाड़ी के जाते ही उनमें से कुछ लोग दौड़ कर उस स्थान पर आ गए जहाँ पर गाड़ी से उतर कर संत आशारामजी बापू कुछ क्षण के लिए खड़े हुए थे। उन्होंने पहले तो खड़े हो कर उस दिशा को नमन किया जिस तरफ पुलिस की गाड़ी गई थी, फिर उस जगह से मिट्टी उठाकर अपने–अपने माथों पर लगाई।

मैंने टेलीविजन बंद कर दिया– मैं सोच रहा था कि 'हिन्दुत्व' का सही अर्थ, यह लोग समझे हैं या भाजपा के वो दो बड़े नेता जो इस 80 वर्षीय वृद्ध संत की तैयार की गई जमीन पर सत्ता की फसल उगा कर मदमस्त हो कर झूम रहे हैं तथा इस वृद्ध हिन्दू संत को हर कीमत पर खत्म करने पर तुले हुए हैं।

बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का भुगतान भी शुरू

बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए भारत एक बहुत बड़ा बाजार है– और एक अध्यात्मिक भारत से अधिक उन्हें एक नास्तिक भारत ज्यादा सूट करता है, अतः देश को भारतीय संस्कृति व अध्यात्म की तरफ तेजी से ले जा रहे संत आशारामजी बापू इनके भी बहुत बड़े दुश्मन बने हुए थे– अतः 'संत श्री' के विरुद्ध इन्होंने भी अपनी पूरी शक्ति लगा दी थी।

एक निर्दोष ब्रह्मज्ञानी सन्त को सताने के अपराध में भागीदारी का दण्ड अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भी मिलना शुरू हो गया है। प्रकृति ने बाबा रामदेव के रुप में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के सामने अब एक ऐसा प्रतियोगी ला खड़ा किया है जिससे पार पाना इनके बूते की बात बिलकुल नहीं लग रही है।

लड़की, कानून और अदालत का फंदा बनाकर संत आशाराम बापू को 'शिकार' बनाने की योजना

ईसाई मिशनरियों और सरकार का एक संयुक्त कुटिल प्रयास

हम अपने पाठकों को यहां बता रहे हैं की संत आशारामजी बापू पर ऐसे कौन–कौन से आरोप लगे हैं जो बरसों से उन्हें कारागार में रखा गया है

मिस्टर डेविड फ्राली एक अमेरिकन व्यक्ति है जिसने भारत आकर वर्षों तक वैदिक हिन्दू–धर्म का गहन अध्ययन किया था, उन्होंने हाल ही में नई दिल्ली के एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार को दिए अपने एक इंटरव्यू में भारत के नागरिकों को चेताते हुए जो कहा है वह केवल सनसनीखेज ही नहीं वह तो पूरे भारत देश के लिए एक खतरे की बहुत बड़ी घंटी भी है।

ईसाईयत ने भारत को एक ईसाई देश बनाने के लिए हिन्दुत्व के खिलाफ एक 'युद्ध' छेड़ा हुआ है। इसके लिए विदेशों से अकूत पैसा भेजा जा रहा है। पोप (द्वितीय) ने स्वयं स्वीकार किया है कि धर्मांतरण के लिए यहाँ से पैसा भेजा जा रहा है। डेविड फ्राली ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि **भारत का मीडिया, एवं तथा कथित बुद्धिजीवी और यहाँ तक की भारत की सुप्रीम कोर्ट तक भी 'हिन्दुत्व' के खिलाफ काम कर रही है।**

ईसाईयों द्वारा देश में तेजी से किए जा रहे **धर्मांतरण का खुला विरोध करने के कारण ही 80 वर्षीय वयोवृद्ध हिन्दू संत पूज्य आशाराम जी बापू को पिछले साढ़े तीन वर्षों से कारागार में डाल दिया गया है।** केन्द्र में पूर्व कांग्रेस सरकार की मुखिया, ईटली की एक ईसाई महिला सोनिया गाँधी ने तो भारत को एक 'ईसाई राष्ट्र' बनाने के लिए ईसाई मिशनरियों का खुल कर साथ दिया था।

दिल्ली के प्रसिद्ध लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल द्वारा जारी की गई कथित पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट

भाजपा सरकार ने हर स्तर पर संत आशारामजी बापू की जमानत–अर्जी का पुरजोर विरोध किया है तथा आज तक उनकी जमानत भी नहीं होने दी है।

सोनिया सरकार ने देश के बड़े–बड़े हिंदू संतों के उत्पीड़न के बाद (जैसे शंकराचार्य श्री जयेन्द्र सरस्वती जी, जगद्गुरु कृपालु जी महाराज, स्वामी लक्ष्मानंद जी, जगद्गुरु शंकराचार्य श्री राधेश्वर भारती जी इत्यादि–इत्यादि) इस युग के महान हिंदू संत पूज्य श्री आशाराम जी बापू के विरुद्ध एक षड्यंत्र रचकर उन्हें भी कारागार में डाल दिया है।

वर्ष 2013 के अगस्त माह में शाहजहाँपुर (उत्तर प्रदेश) की एक युवती ने आरोप लगाया था कि संत आशाराम बापू ने उससे जोधपुर में छेड़छाड़ की थी।

यहाँ नोट करने वाली बात यह है कि जिस समय वह संत श्री के दर्शन के लिए जोधपुर उनके कमरे में गई थी, उस समय उसकी माँ भी कमरे के बाहर ही बैठी हुई थी।

किन्तु उस युवती ने बाहर आकर अपने साथ छेड़छाड़ की बात ना तो अपनी माँ को बताई थी और ना ही परिवार के किसी अन्य सदस्य को भी, बल्कि वह जोधपुर से अपने परिवार के साथ शाहजहाँपुर (उ.प्र) चली गई और फिर कुछ दिन बाद दिल्ली आकर कमला मार्केट पुलिस स्टेशन में इसकी रिपोर्ट रात के दो या ढाई बजे लिखवा दी।

रिपोर्ट लिखने के बाद पुलिस ने दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में युवती की डॉक्टरी करवाई थी। इस रिपोर्ट में गायनोकोलाजिस्ट डॉ. शैलजा वर्मा ने स्पष्ट रूप से कहा है कि–

ईसाई मिशनरीयाँ तथा उनके पालतू मीडिया व भाजपा सरकार ने मिलकर देश में एक ऐसा माहौल तैयार करने की कोशिश की है, मानों संत आशारामजी बापू एक संत नहीं बल्कि कोई बहुत बड़े अपराधी हैं।

लड़की का कौमार्य पूरी तरह सुरक्षित है, लड़की के शरीर पर रत्तीभर भी खरोंच अथवा प्रतिरोध के निशान भी नहीं हैं। युवती की एक सहेली ने जो इन्दौर में रहती है उसने जब अगले दिन इस युवती से झूठी रिपोर्ट लिखवाने का कारण पूछा था तो **शिकायतकर्ता युवती ने उसे बताया था कि– 'मेरे से तो जैसा बुलवाते हैं, वैसा ही मैं बोलती हूँ।'**

संत उत्पीड़न के घोर पापों के कारण ही वर्ष 2014 के आम चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई तथा अपने आपको हिन्दू–वादी पार्टी कहलाने वाली भाजपा को एक ऐतिहासिक जीत प्राप्त हो गई।

होना तो यह चाहिए था कि सत्ता मिलते ही भाजपा को संत श्री आशारामजी बापू को तुरन्त न्याय दे देना चाहिए था। किन्तु भाजपा ने ऐसा ना करके, 12 वर्ष पहले की किसी घटना की शिकायत मिलने की बात कहकर ना केवल संत आशारामजी बापू बल्कि उनके पूरे परिवार के विरुद्ध भी एक झूठा मुकद्दमा गुजरात में और बना दिया। हालांकि **भाजपा ने गुजरात में जिस महिला को संत श्री के विरुद्ध झूठे आरोप लगाने के लिए तैयार किया था, वह अब स्वयं चीख–चीख कर बता रही है कि सूरत पुलिस ने धारा–164 के अंतर्गत उसके जो ब्यान करवाए थे–वह सब उसे भयभीत करके व डरा–धमकाकर दिलवाए गए थे।**

लंदन की एक महिला पत्रकार के अनुसार यह सब भाजपा के स्टार नेता श्री नरेन्द्र मोदी जी के कहने पर किया जा रहा है। उन्होंने इसका कारण भी बताया– संत श्री आशारामजी बापू व यह बीजेपी नेता दोनों ही गुजरात राज्य से आते हैं।

गुजरात में सत्ता के शीर्ष पर रहते हुए जब इस नेता पर मुस्लिमों के सामूहिक नर–संहार के आरोप लगे थे, तो उसने अपने आपको एक 'सेक्यूलर' नेता साबित करने के लिए **अहमदाबाद व गांधीनगर में सड़कों के सौंदर्यीकरण के नाम पर वहाँ सैकड़ों हिन्दू मंदिरों को ढहवा दिया था।**

उस समय गुजरात के कुछ हिन्दुओं ने सड़कों पर आकर इसका विरोध भी किया था–उन्हीं हिन्दुओं में कुछ संत आशाराम जी बापू के शिष्य भी शामिल थे।

कहा जाता है कि बस यहीं से भाजपा का स्टार नेता संत आशारामजी बापू से इतना खफा हो गया कि अब वो उन्हें किसी भी हालत में जीते जी कारागार से बाहर ही नहीं आने देना चाहते हैं– तथा संत श्री के आश्रमों व उनकी विरासत को भी हड़प कर लेना चाहते हैं।

मेरा तो एक बार फिर भाजपा के इस स्टार नेता से निवेदन है कि संत आशाराम जी बापू एक ब्रह्मज्ञानी महात्मा हैं, उनके उत्पीड़न के कारण ही आज कांग्रेस की यह दुर्दशा हुई है–आप फिर क्यों केवल अपनी 'ईगो' के कारण एक हिन्दुत्ववादी पार्टी को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं? भाजपा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के रक्त से सिंचित पार्टी है।

भाजपा का ऐसा व्यवहार केवल भाजपा के लिए ही नहीं बल्कि देश के पूरे हिन्दू समाज के लिए भी बहुत हानिकारक सिद्ध हो रहा है– **भाजपा ने संत आशारामजी बापू को हिन्दू समाज से दूर करके देश में धर्मांतरणकारी शक्तियों को एकदम (फ्री–हैण्ड) दे दिया है।** यह संत आशारामजी बापू के करोड़ों भक्तों व पूरे हिन्दू समाज के साथ एक बहुत बड़ा विश्वासघात है– और इसका मूल्य पूरी पार्टी को भविष्य में अवश्य चुकाना भी पड़ेगा। ●

करोड़ों हिन्दुओं के आध्यात्मिक गुरु के साथ कारागार में घोर अमानवीय व्यवहार

संत आशारामजी बापू पिछले साढ़े तीन वर्षों से भी अधिक समय से कारागार में हैं और जेल में हिन्दुओं के इस आध्यात्मिक गुरु के साथ भाजपा सरकार कैसा व्यवहार कर रही है, यदि उसे कम से कम शब्दों में बताया जाए तो उसके लिए केवल एक ही शब्द है–'अमानवीय'।

पिछले 50 वर्षों से संत आशारामजी बापू लगातार सत्संग कर रहे हैं। पिछले 15–20 वर्षों से तो हालत यह हो गई थी कि एक–एक दिन में तीन चार राज्यों में सत्संग करते थे। सवेरे बम्बई में सत्संग किया है, तो दोपहर को राजस्थान में शाम को दिल्ली में व रात को अगर हरिद्वार पहुँचे हैं तो वहां भी हजारों व्यक्ति कई घंटे पहले से ही इन्तजार कर रहे होते थे तो फिर वहां भी सत्संग करना ही पड़ता था। **लगातार इतने शारीरिक श्रम तथा इतना अधिक बोलने के कारण या अन्य किसी कारण से उन्हें 'ट्राईजेमिनल न्यूरलजिया' नमक एक बीमारी है।** इस बीमारी से सिर में इतना भंयकर दर्द होता है कि उसकी तुलना के लिए मेडिकल साईन्स में भी अन्य नाम नहीं है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रसव के समय एक महिला को जितना दर्द होता है, इस बीमारी के कारण सिर में उससे भी ज्यादा भंयकर दर्द होता है।

यह रोग करोड़ों में किसी एक व्यक्ति को होता है और मेडिकल साईन्स में इसका कोई सटीक ईलाज भी नहीं है। अभिनेता सलमान खान को यह रोग था, उसने कई वर्ष पूर्व अमेरिका में इसके लिए सिर की कुछ नसों का ऑपरेशन भी करवाया था, कुछ वर्ष उसका दर्द ठीक रहा, अब फिर से होने लगा है, खैर–

संत आशारामजी बापू आयुर्वेद के विषय में काफी समझ स्वयं भी रखते हैं अतः वो आश्रम के वैद्यों से विचार–विमर्श करके आयुर्वेदिक उपचार व खान–पान के माध्यम से इस रोग को वर्षों से 'कन्ट्रोल' में रखते आ रहे थे, किन्तु कारागार में यह सुविधायें ना मिलने के कारण यह रोग पुनः उभर आया है।

1. वैसे इस हिन्दुवादी सरकार व इसकी अदालतों को संत आशारामजी बापू आज तक अपनी यह बीमारी समझा नहीं पाए हैं, या साफ कहें तो इन लोगों ने **हिन्दुस्तान के बड़े से बड़े वकीलों के समझाने पर भी इसे समझने की कोशिश ही नहीं की है।** वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट तक गुहार भी लगाई किन्तु सरकार ने केवल ड्रामा किया– जैसे 'एम्स' में जांच कराना इत्यादि इत्यादि किन्तु राहत बिलकुल नहीं दी गई। **यहाँ तक की बाहर से आयुर्वेदिक दवाई भी नहीं लाने दी जाती।**

2. भाजपा के स्टार नेताओं ने गुजरात में जो केस बनवाया है, उसमें पेशी के लिए बापूजी को एक बार गुजरात जाना पड़ा था तो जोधपुर से तो उनको हवाई–जहाज में ले गए थे क्योंकि उनके शिष्यों ने उनकी वृद्धावस्था व बीमारी का हवाला देकर हवाई जहाज का प्रबन्ध करवा दिया था। किन्तु वहां से लौटते समय उनको पिछले दरवाजे से चुपचाप एक **पुलिस की खटारा वैन में जोधपुर वापिस भेजा गया, जिसके कारण इस वृद्ध संत की कमर की हड्डियाँ तक हिल गईं थीं** और उनकी कमर में भी दर्द बैठ गया है।

कुल मिलाकर स्थिति यह है की **ईसाई मिशनरीज ने एक बड़ी टीम की 'फील्डिंग'**

केवल इसी काम पर लगा रखी है कि वो इस बात पर नजर रखती है कि इस महान हिन्दू संत को कारागार में किस प्रकार अधिक–से–अधिक कष्ट पहुँचाया जाए, यह टीम रिपोर्ट करती है, फिर इनका पालतू मीडिया तिल का ताड़ बना कर शोर मचाता है, और भाजपा की सरकार इस पर एक्शन ले लेती है।

3. ईसाईयों का पालतू मीडिया अपने आकाओं से ज्यादा से ज्यादा पैसा झटकने के चक्कर में कई बार अति उत्साह में कानून की सभी सीमायें भी लाँघ जाता है। उदहारण के तौर पर **दीपक चौरसिया व इसके गुट के तीन अन्य चैनल के बड़े पत्रकारों पर** संत आशारामजी बापू के खिलाफ एक घरेलू विडियो को अश्लील बनाकर चलाने के आरोप में **गुडगाँव के पालम विहार (एफ.आई.आर. नं–147/2015) पुलिस स्टेशन में पाक्सो एक्ट में मामला दर्ज है। किन्तु संत आशारामजी बापू पर 'कानून' व 'न्याय' का हवाला देकर अत्याचार करने वाली भाजपा सरकार ने कई वर्ष गुजर जाने के बाद भी आज तक 'पाक्सो एक्ट' के इन मुलजिमों से पूछताछ तक भी नहीं की है,** हालांकि इसके लिए पीड़ित परिवार सुप्रीम कोर्ट तक में गुहार लगा चुका है, शायद यही है भारत के कानून व न्याय का असली चेहरा।

CLASSIFIED
FIRST INF... REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)

Occurrence of Offence:
Day: Saturday
Type of Information: WRITTEN
Place of Occurrence:
PS PALAM VIHAR GURGAON
Complainant/Informant:
Nationality: INDIA
Date of Issue: Place of Issue:

कथित पत्रकार दीपक चौरसिया एवं तीन अन्य चैनलों के बड़े पत्रकारों के खिलाफ पालम विहार थाने में दर्ज एफ.आई.आर.

4. सितम्बर अथवा अक्टूबर 2016 में संत आशारामजी बापू को एम्स में चैकअप के लिए दिल्ली लाया गया था। इसके लिए **2 दिन तक इन्हें तिहाड़ जेल में रखा गया, किन्तु इन्हें जेल में आश्रम से लाया गया खाना व पानी तक नहीं देने दिया गया,** जबकि संत आशारामजी बापू को कोर्ट से इसके लिए 'परमिशन' भी मिली हुई है।

संत आशारामजी बापू को दो दिन के दिल्ली प्रवास के दौरान बिना भोजन व पानी के ही रहना पड़ा था। जेल प्रशासन ने कहा–हमें ऊपर से आर्डर हैं।

5. जोधपुर केस में पुलिस की सारी गवाहियाँ निपट चुकी हैं फिर भी सरकार संत आशारामजी बापू की जमानत नहीं होने दे रही है। जबकि पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि इस केस के पाँच प्रमुख गवाहों की गवाहियाँ होने पर जमानत दी जा सकती है।

6. कुल मिलाकर स्थिति यह है कि **भाजपा सरकार संत आशारामजी बापू पर इतने अत्याचार कर रही है कि जैसे उसकी मंशा इस 80 वर्षीय वृद्ध व बीमार हिन्दू संत को जल्दी से जल्दी जेल में ही निपटाने की हो।**

7. अभी हाल ही में एक अमेरिकन विद्वान डेविड फ्राली व ब्रिटिश पत्रकार सुनन्दा तंवर ने देशवासियों के सामने यह सनसनीखेज खुलासा किया है कि– 'तुम्हारे देश को एक ईसाई राष्ट्र बनाने के लिए भंयकर षड्यंत्र चल रहा है, आप हिन्दुत्व को बचा लें, यह बहुत कीमती है।

किन्तु ऐसे समय में भी भाजपा की महान हिन्दुत्ववादी **सरकार अपने देश के इस महान हिन्दू संत की 'न्यायिक–हत्या' करने पर तुली हुई है** जो वर्षों से इन धर्मांतरणकारी ताकतों से अपने दम पर ही लोहा लेते आ रहे थे।

यदि आप भी मानवता के लिए हिन्दुत्व के महत्त्व को समझते हैं तो अपने–अपने स्तर पर भाजपा सरकार तक यह संदेश जरुर पहुँचा दें कि– 'संत को सताने से वास्तव में बहुत हानि होती है। कांग्रेस की मैडम जी व उनकी पार्टी की देखते ही देखते आज क्या से क्या स्थिति हो चुकी है। इस समय हिन्दुत्व के विरुद्ध एक बड़ा युद्ध चल रहा है, और इसका मुकाबला करने के लिए हिन्दुओं को आज भाजपा व संत आशारामजी बापू दोनों की ही जरुरत है।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक अशोक पंडित द्वारा एस–1, सूरज नगर, आजादपुर, दिल्ली- 110033 से प्रकाशित तथा मै. पॉवर प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 4240/8, नं. 2, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली–110002 से मुद्रित।

सम्पादक : अशोक पंडित, **प्रबन्ध सम्पादक :** आकाश फरलिया (मो. 9650203959)

प्रति माह निःशुल्क 'आदर्श पंचायती राज' पढ़ने के लिए हमारी वेबसाईट www.adarshpanchayatiraj.in पर लॉग इन करें।

समाचार पत्र में सम्पादकीय के अतिरिक्त सम्पादक का किसी भी सामग्री से सहमत होना अनिवार्य नहीं है। समाचार पत्र संबंधी वाद–विवाद का न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा। पत्रिका में दिये गये स्वास्थ्य संबंधी नुस्खे एवं प्रयोगों से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श कर लें। (समस्त पद अवैतनिक हैं।)